



नेके बनने का नुस्खा

इस्लामी भाइयों के लिए

पन्द्रहवीं सदी की अज़ीम इल्मी व रूहानी शख़िसियत

शैख़े तरीक़त, अमीरे एहले सुन्नत, बानिए दावते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इत्यास अत्ताब कादिवी बज़वी

ने इस पुर फ़ितन दौर में नेकियां करने और गुनाहों से

बचने के तरीक़ों पर मुश्तमिल शरीअत व तरीक़त का जामेअ मजमूआ

72 नेक आमाल

ब सूरते सवालात अता फ़रमाए हैं

इन के मुताबिक़ अमल करने का तरीक़ए कार आख़िर में दिया गया है

पेशकश : मर्कज़ी मजलिसे शूरा (दावते इस्लामी)

أَلْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ مَا بَعْدَ ذَلِكَ فَاذْكُرُوا بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِإِذْنِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढ़ने की दुआ

दीनी किताब या इस्लामी सबक पढ़ने से पहले जैल में दी हुई दुआ पढ़ लीजिए **إِنْ شَاءَ اللَّهُ تَعَالَى** जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ ये है :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तर्जमा : ऐ **اللَّهُمَّ** ! हम पर इल्मो हिकमत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अज़मत और बुजुर्गी वाले ।

(मستطرف ج ۱ ص ۴۰ دارالفکر بیروت)

नोट : अव्वल आखिर एक-एक बार दुरूद शरीफ पढ़ लीजिए ।

तालिबे गुमे मदीना

बर्कीअ

व मग़फ़िरत



13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

क़ियामत के रोज़ हसरत

फ़रमाने मुस्तफ़ **عَسَلَّ اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ** : सब से ज़्यादा हसरत क़ियामत के दिन उस को होगी जिसे दुन्या में इल्म हासिल करने का मौक़अ मिला मगर उस ने हासिल न किया और उस शख़्स को होगी जिस ने इल्म हासिल किया और दूसरों ने तो उस से सुन कर नफ़अ उठाया लेकिन उस ने न उठाया (यानी उस इल्म पर अमल न किया) (تاریخ دمشق لابن عساکر ج ۵ ص ۱۳۸ دارالفکر بیروت)

किताब के ख़रीदार मुतवज्जेह हों

किताब की त्बाअत में नुमायां ख़राबी हो या सफ़हात कम हों या बाइन्डिंग में आगे पीछे हो गए हों तो मक्तबतुल मदीना से रुजूअ फ़रमाइए ।

यौमिया 56 नेक आमाल

पेहला दरजा 19 नेक आमाल

(1) क्या आज आप ने कुछ न कुछ जाइज कामों से पेहले कम अज कम एक एक अच्छी नियत की ?

(काश ! किसी एक को तरगीब भी, तीन कामों में अच्छी नियत करने से नेक अमल पर अमल मान लिया जाएगा।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(2) क्या आज आप ने पांचों नमाज़ें जमाअत से अदा कीं ?

(काश ! पेहली सफ़ मअ तक्बीरे ऊला कभी न छूटे।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(3) क्या आज आप ने घर, बाज़ार, मार्केट वगैरा जहां भी थे वहां नमाज़ों के अवक़ात में नमाज़ पढ़ने से क़ब्ल नमाज़ की दावत दी ?

(काश ! पांचों नमाज़ों में किसी एक को अपने साथ मस्जिद लेते जाएं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(4) क्या आज आप ने रात में सूरतुल मुल्क पढ़ या सुन ली ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(5) क्या आज आप ने पांचों नमाज़ों के बाद कम अज़ कम एक एक बार आयतुल कुरसी, सूरतुल इख़लास और तस्बीहे फ़ातिमा رَضِيَ اللهُ عَنْهَا पढ़ी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(6) क्या आज आप ने कन्ज़ुल ईमान मअ़ ख़ज़ाइनुल इरफ़ान या नूरुल इरफ़ान से कम अज़ कम तीन आयात तर्जमा व तफ़सीर के साथ पढ़ीं या सुनीं ? या सिरातुल जिनान से कमो बेश दो सफ़हात पढ़ या सुन लिए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(7) क्या आज आप ने शजरे के कुछ न कुछ औराद पढ़े ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(8) क्या आज आप ने कम अज़ कम 313 बार दुरूद शरीफ़ पढ़ा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(9) क्या आप ने आंखों को गुनाहों (यानी बद निगाही, फ़िल्में ड्रामे, मोबाइल पर गन्दी तसावीर और वीडियोज़, ना मेहरम औरतों और कज़िन्ज़ वग़ैरा को देखने) से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(10) क्या आज आप ने कानों को गुनाहों यानी ग़ीबत, गाने बाजों, बुरी और गन्दी बातों, मोबाइल की म्यूज़ीकल ट्यून्, कोलर ट्यून् वग़ैरा वग़ैरा सुनने से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(11) रास्ते में चलते हुवे या कार या बस वग़ैरा में सफ़र के दौरान ख़ुद को फुज़ूल निगाही से बचाते हुवे क्या आज आप ने निगाहें नीची रखीं ? और बिला ज़रूरत इधर उधर देखने से अपने आप को बचाया ?

(ज़हे नसीब ! किसी से बात करते वक़्त सामने वाले के चेहरे पर बिला ज़रूरत मुसलसल नज़र जमी रेहने के बजाए नीची रहा करे।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(12) क्या आज आप ने आला हज़रत या मकतबतुल मदीना की किसी किताब या रिसाले या "माहनामा फ़ैज़ाने मदीना" को कम अज़ कम 12 मिनट पढ़ा या सुना ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(13) क्या आज आप ने बात चीत, फ़ोन पर गुफ़्तगू और काम काज मौकूफ़ कर के अज़ानो इक्रामत का जवाब दिया ?

(अगर पेहले से खा पी रहे हों और अज़ान शुरू हो जाए तो खाना पीना जारी रखने में हरज नहीं, इसी तरह नमाज़ की तैयारी के सिलसिले में चलने और वुजू करने वगैरा में भी कोई मुज़ाएक़ा नहीं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(14) आज आप ने (घर में या बाहर) किसी पर गुस्सा आ जाने की सूरत में चुपरेह कर गुस्से का इलाज फ़रमाया या बोल पड़े ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(15) क्या आज आप ने अपने आमाल का जाइज़ा लेते हुवे नेक आमाल के रिसाले के खाने पुर किए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(16) क्या आज आप ने "मर्कज़ी मजलिसे शूरा" के उसूलों के मुताबिक अपने निगरान की इत्ताअत की ?

(शरीअत की इजाज़त होने की सूत में शूरा की इत्ताअत मेरी इत्ताअत, शूरा की नाफ़रमानी मेरी नाफ़रमानी है-सगे मदीना (عَنْهُ))

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(17) क्या आज आप ने घर और बाहर हर छोटे बड़े से अच्छे अन्दाज़ से यानी आप जनाब और "जी"- "जी" केह कर गुफ्तगू की ? (हस्बे मौक़अ चेहरे पर मुस्कराहट भी रखिए।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(18) क्या आज आप ने मद्रसतुल मदीना (बालिगान) में कुरआने करीम पढ़ा या पढ़ाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(19) क्या आज आप ने इ़शा की जमाअत से दो घन्टे के अन्दर अन्दर सोने की कोशिश की ?

(TV पर बराहे रास्त मदनी मुज़ाकरे और दावते इस्लामी के खुसूसी इजतेमाअत वग़ैरा में शिर्कत या वक़्त के अन्दर घर पहुंच कर इबादत व मुतालाए के सबब होने वाली ताख़ीर में किसी की हक़ तलफ़ी वग़ैरा न होती हो तो नेक अमल दुरुस्त है।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

दूसरा दरजा 19 नेक आमाल

(20) क्या आज आप ने दावते इस्लामी के दीनी कामों को अपने निगरान के दिए हुवे शिड्यूल के मुताबिक़ कम से कम दो घन्टे दिए ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(21) क्या आज आप ने फ़ज़्र के लिए जगाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(22) क्या आज आप ने अपने घर के झरूकों (यानी बाहर देखने के लिए रखी गई खिड़कियों) से (बिला जरूरत) बाहर नीज़ किसी और के दरवाज़ों वगैरा से उन के घरों के अन्दर झांकने से बचने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(23) क्या आज आप के यहां घर दर्स हुवा ? या किसी उज़्र की सूत में आप की गैर मौजूदगी में घर दर्स का सिलसिला हुवा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(24) क्या आज आप ने कम अज़ कम एक मदनी दर्स (मस्जिद, दुकान, बाज़ार वगैरा जहां सहूलत हो) दिया या सुना ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(25) क्या आज आप ने सुन्नत के मुताबिक़ लिबास (जो लेडीज़ कलर मसलन शोख़ यानी तेज़ रंग या चमकीला न हो या ऐसे रंग का भी न हो जो शरअन मनअ है वोह) पेहना ? ❶

❶ सुन्नत येह है कि दामन की लम्बाई आधी पिन्डली तक हो और

आस्तीन की लम्बाई ज़्यादा से ज़्यादा उंगलियों के पोरों तक और चौड़ाई एक बालिशत हो। (رد المحتار، کتاب الحظروالاباحه، فصل فی اللبس، ۵۷۹/۹)

सफ़ेद लिबास हर लिबास से बेहतर है और सरकारे मदीना रَفِیُّ اللهُ عَنْهُ ने इस को पसन्द फ़रमाया है। हज़रते सैयदुना समुरह رَفِیُّ اللهُ عَنْهُ से मरवी है कि हुजुरे पाक صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ने फ़रमाया : सफ़ेद लिबास पेहनो ! क्योंकि यह ज़्यादा साफ़ और पाकीज़ा है और अपने मुर्दों को भी इसी में कफ़नाओ। (ترمذی، کتاب الادب، باب ماجاء فی لبس البیاض، ۳۷۰/۴، حدیث: ۲۸۱۹)

(लम्बा अरबी कुर्ता टख़ने से ऊपर पेहनने वाले इस्लामी भाई का नेक अमल दुरुस्त मान लिया जाएगा।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(26) क्या आप का जुल्फ़ें रखने की सुन्नत पर अमल है ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(27) एक मुश्त (मुठ्ठी) दाढ़ी रखना वाजिब है। आज आप ने खुदा ना ख़्वास्ता दाढ़ी मुन्डाने या एक मुश्त से घटाने का गुनाह तो नहीं किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(28) क्या आज आप ने **مَعَاذِ اللَّهِ** गुनाह हो जाने की सूरत में फ़ौरन तौबा की ? (काश ! रोज़ाना कम अज़ कम 70 बार इस्तिग़फ़ार मसलन 70 बार **اَسْتَغْفِرُ اللَّهَ** पढ़ना नसीब हो जाए।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(29) क्या आज आप ने सुन्नत के मुताबिक़ खाना खाया और खाने से पेहले और बाद की दुआएं पढ़ीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(30) क्या आज आप ने घर, दफ़्तर, बस, ट्रेन वग़ैरा में आते जाते और गलियों से गुज़रते हुवे राह में खड़े या बैठे हुवे **मुसलमानों को सलाम** किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(31) क्या आज आप ने इन **सुन्नतों पर कुछ न कुछ अमल** किया ? : मिस्वाक, घर में आना जाना, सोना जागना, क़िब्ला रुख़ बैठना वग़ैरा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(32) क्या आज आप ने ज़ोहर की चार सुन्नते क़ब्लिया फ़र्ज़ से पेहले अदा कीं ? (खयाल रहे कि ज़ोहर की चार सुन्नते क़ब्लिया सुन्नते मोअक्कदा हैं और इन का चार रकअत फ़र्ज़ से पेहले पढ़ना भी सुन्नते मोअक्कदा है।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(33) क्या आज आप ने तहज्जुद की नमाज़ पढ़ी ? या रात न सोने की सूरत में सलातुल्लैल अदा की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(34) क्या आज आप ने अक्वाबीन या इशराक़ व चाशत के नवाफ़िल पढ़े ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(35) क्या आज आप ने अ़सर या इ़शा की सुन्नते क़ब्लिया पढ़ीं ?
(ज़हे नसीब ! अ़सर और इ़शा दोनों की सुन्नते क़ब्लिया और ज़ोहर व मग़रिब व इ़शा के नवाफ़िल भी अदा किए जाएं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(36) क्या आज आप ने इनफ़िरादी कोशिश के ज़रीए दावते इस्लामी के 12 दीनी काम में से कम अज़ कम एक दीनी काम की तरगीब दिलाई?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(37) आज आप ने दूसरों से मांग कर कोई चीज़ (मसलन : चप्पल, चादर, मोबाइल फ़ोन, चार्जर, गाड़ी वगैरा वगैरा) इस्तेमाल तो नहीं की ?

(दूसरों से सवाल की आदत हो तो निकाल दीजिए, ज़रूरत की चीज़ निशानी लगा कर अपने पास बहिफ़ाज़त रखिए।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(38) क्या आज आप झूट बोलने, ग़ीबत व चुगली करने / सुनने से बचे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

तीसरा दरजा 18 नेक आमाल

(39) क्या आज आप ने कुछ न कुछ वक़्त के लिए "मदनी चैनल" देखा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(40) क्या आप की किसी एक या चन्द से दुन्यवी तौर पर ज़ाती दोस्ती तो नहीं है ? (ज़ाती दोस्तियां और ग्रुप, तन्ज़ीमी कामों की तरक्की में आम तौर पर रुकावट बनते हैं।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(41) आज आप ने क़र्ज़ होने की सूरत में (अदाएगी की ताक़त के बा वुजूद क़र्ज़ ख़्वाह (क़र्ज़ देने वाले) की इजाज़त के बग़ैर क़र्ज़ अदा करने में ताख़ीर तो नहीं की ? नीज़ किसी से आरियतन (यानी Temporary) ली हुई चीज़ ज़रूरत पूरी होने पर तै किए हुवे वक़्त के अन्दर वापस कर दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(42) आज आप ने आजिज़ी के ऐसे अल्फ़ाज़ जिन की ताईद दिल न करे बोल कर निफ़ाक़ व रियाकारी का जुर्म तो नहीं किया मसलन लोगों के दिल में अपनी इज़्जत बनाने के लिए इस तरह केहना : "मैं हक़ीर हूं, कमीना हूं" जब कि दिल में ऐसा न समझता हो।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(43) क्या आप सफ़ाई सुथराई के आदी और सलीक़ा मन्द हैं ?

(सफ़ाई सुथराई : यानी बदन व लिबास, घर और जहां काम करते हैं वोह जगह और वहां की अश्या साफ़ रखना वगैरा ।

सलीक़ा : यानी वक़्त की पाबन्दी, घर और अपनी या किसी और की गाड़ी में बैठते वक़्त बिला ज़रूरत ज़ोर से दरवाज़ा बन्द न करना, अपने घर, तालीमगाह, दफ़्तर या किसी के यहां की जो चीज़ इजाज़त होने की सूरत में उठाई फिर उसी जगह रखना वगैरा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(44) आज आप ने किसी मुसलमान का ऐब ज़ाहिर हो जाने पर (बिला मस्लेहते शरई) उस का ऐब किसी और पर ज़ाहिर तो नहीं किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(45) क्या आज आप ने बादे फ़ज़्र मदनी हल्क़ा लगाया या शिर्कत की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(46) क्या आज आप ने हर जाइज व इज्जत वाले काम से पेहले بِسْمِ اللّٰهِ पढ़ी? (कम से कम तीन बार पढ़ने वाले का अमल मान लिया जाएगा।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(47) क्या आज आप ने चौक दर्स दिया या सुना ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(48) क्या आज आप ने अपने वालिदैन और पीरो मुर्शिद के लिए दुआए मग़फ़िरत और कुछ न कुछ ईसाले सवाब किया ? (एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ कर भी ईसाले सवाब किया जा सकता है।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(49) क्या आज आप ने मस्जिद, घर, ऑफ़िस वग़ैरा में इसराफ़ से बचने की कोशिश की ?

(मसलन : लाइट, पंखा, बिजली वग़ैरा का बिला ज़रूरत इस्तेमाल करना, ज़रूरत से ज़्यादा पानी गिराना या बहाना।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(50) क्या आज आप ने ट्रेफ़िक क़वानीन की पाबन्दी की ?

(जैसे मोटर सायकल चलाते वक़्त हेल्मेट, गाड़ी चलाने की सूरत में मोबाइल का इस्तेमाल न करना, सीट बेल्ट बांधना, सिग्नल का लेहाज़ रखना, वन वे न तोड़ना वग़ैरा वग़ैरा । गाड़ी न चलाने वाला अगली सीट पर बैठने की सूरत में सीट बेल्ट बांधे ।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(51) किसी इस्लामी भाई (खुसूसन जिम्मेदार) से مَعَاذَ اللَّهِ कोई बुराई सादिर हो जाए और इस्लाह की ज़रूरत हो तो तेहरीरी तौर पर या मिल कर, बराहे रास्त नर्मी से समझाने की कोशिश फ़रमाई ? या مَعَاذَ اللَّهِ बिला इजाज़ते शरई किसी और पर इज़हार कर के ग़ीबत का गुनाहे कबीरा कर बैठे ? हां, नाकामी की सूरत में जो इस की इस्लाह पर क़ादिर हो उसे बताने में हरज नहीं । नीज़ वोह बुराई अगर दीन व दावते इस्लामी के लिए नुक़सानदेह हो तो फिर तन्ज़ीमी तरकीब के मुताबिक़ मसअला हल करने में भी मुज़ाएक़ा नहीं ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(52) क्या आज आप ने ज़बान को गुनाहों (यानी इल्ज़ाम तराशी, दिल आज़ारी, गाली गलोच वगैरा) से बचाया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(53) क्या आज आप ने ज़बान को फुज़ूल इस्तेमाल (यानी वोह गुफ़्तगू जिस से दीनी या दुन्यावी फ़ाइदा न हो) से बचाने की अ़ादत बनाने के लिए कुछ न कुछ इशारे से गुफ़्तगू की ?

(ज़हे नसीब ! रोज़ाना कम से कम चार बार लिख कर और कम से कम तीन बार इशारे से गुफ़्तगू और हर माह की पेहली पीर शरीफ़ यौमे कुफ़ले मदीना मनाने की स़ादत हासिल हो।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(54) क्या आज आप ने (घर में और बाहर) मज़ाक़ मसख़री, तन्ज़, दिल आज़ारी और क़ेहक़हा लगाने (यानी खिल खिला कर हंसने) से बचने की कोशिश की ?

(याद रखिए ! किसी मुसलमान का (बिला वज़हे शरई) दिल दुखाना कबीरा गुनाह है।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(55) क्या आज आप ने इमामा शरीफ़ बांधा ?

(कम से कम एक घन्टा 12 मिनट बांधने वाले का अमल माना जाएगा।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

(56) क्या आज मां-बाप का अदबो एहतेराम बजा लाए ?

(उन की कही हुई बात शरीअत के मुताबिक़ हो तो मानना, उन का हाथ चूमना, उन की आवाज़ से अपनी आवाज़ धीमी रखना वगैरा वगैरा। मज़ीद तफ़्सीलात के लिए रिसाला "समुन्दरी गुम्बद" का मुतालआ फ़रमाइए।)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ صَلَّى اللهُ عَلَى مُحَمَّدٍ

कुफ़ले मदीना कारकदर्दगी

महीना सिने 20..... ईसवी

तारीख	लिख कर गुफ़्तगू	इशारे से गुफ़्तगू	निगाहें गाड़े बग़ैर गुफ़्तगू
	कम अज़ कम 12 मरतबा	कम अज़ कम 12 मरतबा	कम अज़ कम 12 मरतबा
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			

तारीख	लिख कर गुफ्तगू	इशारे से गुफ्तगू	निगाहें गाड़े बगैर गुफ्तगू
	कम अज़ कम 12 मरतबा	कम अज़ कम 12 मरतबा	कम अज़ कम 12 मरतबा
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
29			
30			
31			

हफ़तावार 10 नेक आमाल

(57) क्या आप ने घर से इस हफ़ते किसी न किसी इस्लामी बहन (मसलन बहन / बेटी / वालिदा/बच्चों की वालिदा वगैरा) को इस्लामी बहनों के इजतेमाअ में भेजा ?

(58) क्या हफ़तावार मदनी मुज़ाकरा देखने / सुनने की सअादत हासिल की ? (दौरानिया : सवाल-जवाब शुरूअ होने से कम से कम 1 घन्टा 12 मिनट)

(59) क्या हफ़तावार सुन्नतों भरे इजतेमाअ में अब्वल से आख़िर (यानी मग़रिब से इशराक़ व चाशत) शिर्कत की ?

(60) क्या आप ने इस हफ़ते यौमे तातील एतेकाफ़ की सअादत पाई ?

(61) क्या इस हफ़ते कम अज़ कम किसी एक मरीज़ या दुख्यारे के घर या अस्पताल जा कर सुन्नत के मुताबिक़ इयादत या ग़मख़वारी या अज़ीज़ के इन्तेक़ाल पर ताज़ियत की ? (अवरादे अत्तारिया के इस्तेमाल का मशवरा दे कर सवाब कमाइए।)

(62) क्या इस हफ़ते पीर शरीफ़ (या रेह जाने की सूत में किसी भी दिन) का रोज़ा रखा ?

(63) क्या इस बार का हफ़तावार रिसाला पढ़ या सुन लिया ?

(64) क्या आप ने इस हफ़्ते कम अज़ कम एक बार अलाकार्ड दौरा किया ?				
(65) क्या आप ने इस हफ़्ते कम अज़ कम एक इस्लामी भाई को (जो पेहले मदनी माहोल में थे या पेहले इजतेमाअ में आते थे मगर अब नहीं आते) तलाश कर के उन को मदनी माहोल से वाबस्ता करने की कोशिश की ?				
(66) क्या आप ने हफ़्तावार मदनी हल्लके में शिरकत की ?				

माहाना 3 नेक आमाल

(67) क्या पिछले महीने का नेक आमाल का रिसाला फ़िल (fill यानी पुर) कर के अपने निगरान व ज़िम्मेदार को जम्अ करवा दिया ?	
(68) क्या इस माह आप ने कम अज़ कम तीन दिन के मदनी क्राफ़िले में सफ़र किया ?	
(69) क्या आप ने इस माह किसी सुन्नी आलिम (या इमामे मस्जिद, मोअज़्ज़िन, खादिम) की कुछ न कुछ माली ख़िदमत की ?	

सालाना 1 नेक अमल

(70) आप ने इस साल टाइम टेबल के मुताबिक एक महीने के काफ़िले में सफ़र फ़रमाया ?

ज़िन्दगी भर के 2 नेक आमाल

(71) क्या आप ने ज़िन्दगी भर के निसाब का मुतालाआ फ़रमा लिया ?

(मिन्हाजुल आबेदीन, जाअल हक़, बहारे शरीअत हिस्सा 9 से मुर्तद का बयान, हिस्सा 16 से ख़रीदो फ़रोख़्त का बयान और वालिदैन के हुकूक़ का बयान, (अगर शादीशुदा हैं तो) हिस्सा 7 से मुह्रमात का बयान और हुकूकुज़्ज़ौजैन, हिस्सा 8 से बच्चों की परवरिश का बयान, तलाक़ का बयान, ज़िहार का बयान और तलाके किनाया का बयान। आला हज़रत رَحْمَةُ اللهِ عَلَيْهِ की कुतुब "तम्हीदुल ईमान, हुसामुल हरमैन" नीज़ मकतबतुल मदीना की मतबूआ किताबें कुफ़्रिय्या कलेमात के बारे में सवाल जवाब, चन्दे के बारे में सवाल जवाब, बुन्यादी अक्काइद और मामूलाते एहले सुन्नत, अक़्रीदए आख़िरत, दस अक़्रीदे, इस्लाम के बुन्यादी अक़्रीदे, अल हक़कुल मुबीन, इस्लाम की बुन्यादी बातें (तीनों हिस्से), किताबुल अक्काइद, गुलदस्तए अक्काइदो आमाल, गानों के 35 कुफ़्रिय्या अश्आर, 28

कलेमाते कुफ़, आला हज़रत से सवाल जवाब, इल्मुल कुरआन, नमाज़ के अहकाम और फ़ैज़ाने सुन्नत के तमाम अबबाब पढ़ या सुन लिए ?) (काश ! हर साल माहे शाबानुल मोअज़्ज़म में फ़ैज़ाने सुन्नत का बाब "फ़ैज़ाने रमज़ान" पढ़ या सुन लें !)

(72) ज़िन्दगी में यकु मशत यानी एक साथ 12 माह के मदनी क़ाफ़िले में सफ़र और मुख्तलिफ़ कोर्सिज़ (12 मदनी काम कोर्स, 7 दिन का इस्लाहे आमाल कोर्स, 7 दिन का फ़ैज़ाने नमाज़ कोर्स) की सआदत हासिल कर ली ?

मेहबूबे अन्तार

अमीरि एहले सुन्नत **دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ** फ़रमाते हैं : जो ज़ैल में (नीचे) दिए गए चार काम पाबन्दी से करे वोह मेरा **“मेहबूब”** है।

- (1) रोज़ाना कम अज़ कम 12 बार लिख कर गुफ़्तगू
- (2) रोज़ाना कम अज़ कम 12 बार इशारे से गुफ़्तगू
- (3) रोज़ाना कम अज़ कम 12 बार सामने वाले के चेहरे पर नज़रे गाड़े बग़ैर गुफ़्तगू
- (4) हर माह कम अज़ कम 63 नेक आमाल पर अमल

صَلُّوْا عَلَيَّ الْحَبِيْبِ صَلَّى اللهُ عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

हर इस्लामी भाई और बहन के लिये यकसां मुफ़ीद

JANNAT KE TALABGARO KE LIYE MADANI GULDASTA (HINDI)

जन्नत के तलबगारों के लिये मदनी गुलदस्ता



महीना

खिन्न 14.....हिजरी

नाम मअ वलदिय्यत..... उम्र तकरीबन.....

मुकम्मल पता.....

ज़ैली हल्का..... हल्का..... अलाका/शहर.....

1. इस माह 72 नेक आमाल में से कितने पर अमल की कोशिश रही ?

2. इस माह कितने दिन जाइजे की सआदत हासिल की ?

3. इस माह कितने दिन क़ाफ़िले में सफ़र की सआदत हासिल की ?

4. इस माह मेहबूबे अन्ताब बनने की सआदत हासिल हुई ?

5. ان شاء الله! आइन्दा माह नेक आमाल पर अमल की कोशिश करूंगा

आप ने जाइजे (यानी जाइजे के दौरान ख़ाना पुरी करने) के लिए

कौन सा वक़्त मुक़रर फ़रमाया है ?

مَحَاسِبِ اللَّهِ

روزانہ وقتِ مقررہ (Fix Time) پر
اپنا محاسبہ (یعنی اپنے دن بھر کے
نیک و بد اعمال کے متعلق غور و فکر کر کے
مزید بہتری لانے کا ذہن بناتے ہوئے
رسالہ: صَدَنِ انعام کے خانے پر کوئی
کامیاب کیجئے۔)



رِسالے میں ہر **نیک اَمَل** کے نیچے **30** دِنوں کے خَوانے دیے گئے ہیں۔ جِن
نیک اَمَل پر اَمَل کِی سَأادت مِلی، نِچے خَوانے میں (<) کا نِشان
وَرنا (o) بنا دِجِیے اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ ب تَدْرِجِ اَمَل میں اِجْرَافے کے سا_ث سا_ث دِل میں
گُناہوں سے نَفرت پائِے گِے۔

ہدی سے پاک میں ہے: (اَخِیرت کے مُؤامَلے میں) غِڈِی بھر گُورِو فِیْکَر کرنا **60**
ساَل کی اِبادت سے بَہتَر ہے۔ (الجامع الصغیر للسيوطی، ص 365، حدیث: 5897، دارالکتب العلمیة بیروت)

دُؤا اُتار: یا **اَللّٰهُمَّ** پاک جو ہر ماہ تِری رِجْا کے لِیے **نیک اَمَل** پر اَمَل کر
کے رِوْجِا نا اِس رِسالے میں دیے گئے خَوانے پُر کر کے اِپنے جِئِلی مُشاوَرَت کے نِگارِان کو جَمْع
کَرِواے تُو اِس کے اَمَل میں اِسْتِکامَت اُتْا فَرما کر اِس کو اِپنا مَقْبُول بندا بنا لے۔



01011598



Maktabatul
Madina

- Mohammd Ali Road, Mandvi Post Office, Mumbai ☎ 9022177997, 9320558372
- Faizane Madina, Triconia Bagicha, Mirzapur, Ahmedabad ☎ 9327168200
- 421, Urdu Market, Matia Mahal, Near: Noor Guest House, Jama Masjid, Delhi
- 011-23284560, 8178862570 ● For Home Delivery: 9978626025 ^{9:00 AM}
- feedbackmmhind@gmail.com ● www.dawateislamihind.net

